Dabang Dunia, July 15, 2019, Page – 06 (Dabang Dunia 2)

'रसायन विज्ञान में उभरते रुझान' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

मल्टी फंक्शनल ड्रग डिलिवरी सिस्टम शोध पर की चर्चा

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर में चार दिवसीय 'रसायन विज्ञान में उभरते रुझान' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन रविवार को वैज्ञानिक सत्र हुआ। इसकी शुरुआत जर्मनी हनोवर की लीबनिज यूनिवर्सिटी के प्रो. एंड्रियास किर्स्चिंग ने 'आर्गेनिक केमिस्ट एंड केमिकल बायोलॉजिस्ट' विषय पर चर्चा की। जिसमें उन्होंने बेहतर ढंग से कैंसर का निदान और उपचार करने के लिए मल्टी फंक्शनल ड्रग डिलिवरी सिस्टम की हालिया प्रगति के बारे में बताया, साथ ही गैर-विषैले आयरन ऑक्साइड नैनो कणों का उपयोग करके कैंसर का बेहतर तरीके से इलाज करने के बारे में भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सुपर पैरामैग्नेटिक आयरन ऑक्साइड नैनो पार्टिकल्स (स्पाईयोंस) रासायनिक रूप से क्रियाशील हो सकते हैं, जिसमें स्पाईयोंस ड्रग के निर्माण की ओर अग्रसर होने वाली दवाओं को रिमोटली थर्मोरिस्पॉन्सिव रिलीज सिस्टम के आधार पर संचालित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन नैनो कणों को संयुग्मित किया जा सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि एंटीकैंसर ड्रग्स, एनामिटोसिन और उनके डेरिवेटिव के साथ, हाल ही में उनकी प्रयोगशाला में संश्लेषित म्यूटैसिंथेसिस्टो ट्रीटमेंट कैंसर के सिद्धांत का उपयोग करते हैं, जो बहुत प्रभावशाली और आशाजनक है।

शोध प्रदर्शित किए

दूसरे सत्र में जापान के टोक्यो इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रसायन प्रो. हिरोयुकी नाकामुरा द्वारा सिंथेटिक रासायनिक जांच के साथ प्रोटीन कार्यों, गतिशीलता और चिकित्सा में प्रोटीन आधारित चिकित्सा थैरेपी पर चर्चा की गई। समारोह के अंत में पोस्टर सत्र हुआ। जहां भारत के विद्यार्थी अनुसंधान विद्वानों ने डॉक्टरेट कार्यक्रमों के लिए अपनी प्रयोगशालाओं में किए गए शोध प्रदर्शित किए।